बलवान कौन

मौखिक

२. क) पेड़ के ऊपर क्या था ?

उ- पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था ।

ख. घोंसले में कितने अंडे रखे थे ?

उ- घोंसले में दो अंडे थे ।

ग) पेड़ को ~~जोर~~ जोर से हिलाने पर क्या हुआ ?

उ- पेड़ को जोर से हिलाने पर चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए ।

घ) चींटी ने चिड़िया से क्या वादा ~~कि~~ किया ?

उ- चींटी ने हाथी से यह वादा किया कि वह हाथी को जरूर मजा ~~चख~~ चखाएगी ।

लिखित

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क) हाथी अपने शरीर को एक पेड़ के किससे रगड़ रहा था ।

उ- हाथी अपने शरीर को एक पेड़ के तने से रगड़ रहा था ।

ग। चिड़िया क्यों रोने लगी ?

उ- अंडे टूटने से चिड़िया मायुस होकर रोने लगी।

ग। हाथी ने किसका मजाक उड़ाया ?

उ- हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया।

5. क। चींटी ने हाथी से कैसे बदला लिया ?

उ- हाथी ने चींटी का मजाक उड़ाया था। यह चींटी को अच्छा नहीं लगा। चींटी ~~चिहि~~ चिड़िया से भी वादा किया था कि हाथी को सबक सिखाएगा। मन ही मन हाथी को सबक सिखाने की ठानी। चींटी पास ही एक झाड़ी में छिप गई और मौका देखते ही चुपके से हाथी की सूंड में घुस गई फिर उसने हाथी को काटना कर शुरु कर दिया. हाथी परेशान हो उठा. उसने सूंड को ज़ोर-ज़ोर से हिलाया, पर लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. हाथी दर्द से कराहने और रोने लगा. यह देख चींटी ने

कहा कि हाथी ~~भड~~ भाइया, आप दूसरों को परेशान करते हो, तो ~~बहा~~ बड़ा मजा लेते हो, तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो ?

हाथी को अपनी ग़लती का एहसास हो गया और उसने चींटी से माफ़ी मांगी कि आगे से वो कभी किसी को नहीं सताएगा ।

चींटी को उस पर दया आ गई। वो बाहर आकर बोली कि कभी किसी को छोटा और कमज़ोर नहीं समझना चाहिए ।

यह सुन हाथी बोला कि मुझे सबक मिल चुका है। मुझे अच्छी सीख दी तुमने। अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई किसी को परेशान नहीं करेगा। इस तरह चींटी ने हाथी से बदला लिया ।